

संपादकीय

सर्विस दुरुस्त हो

ए यह इंडिया की सर्विस एक बार फिर विवादों में है। इस बार विवाद कुछ ज्यादा बढ़ा हुआ दिख रहा है तो उसके पीछे सबसे बड़ी वजह यह है कि अबकी सर्वाल मौजूदा सरकार के एक वरिष्ठ मंत्री की ओर से उठाए गए हैं।

लेकिन इस सारे हो-हल्के का हासिल क्या होगा, यह सकता।

शिकायतें आती रही हैं : यह बार एक मंत्री ने एक विमानों से यात्रा करने वाले लोग जब-तब जाहिर करते रहे हैं। कभी सीट गड़बड़ होती है तो कभी कच्चा फैला दिखता है और कभी पर्शाइट में दरों के चलते यात्रियों की सारी कैल्कुलेशन बिगड़ जाती है। उन्हें अच्छा-खास नुकसान ज्ञाना पड़ता है।

अमल करने की गड़बड़ी : सर्विस एविएटर की नियामक संस्था DGCA ने तत्पत्ता दिखाए हुए तकलीफ पर

इंडिया को नोटिस भेज दिया। लेकिन ध्यान रहे, डीजीसीए की ओर से 2022 में जारी डायरेक्टर में यह यह स्पष्ट तौर पर कहा जा चुका है कि एयरलाइन कोई ऐसी सीट नहीं बेचेगा, जो सर्विस के लायक न हो। खबरों के मुताबिक कुंगर्स ने नैतोनेट को खारी लीटों के बारे में जानकारी नहीं दी थी। इसके बाबूजूद उन सीटों के

लिए टिकट बुक की बैंकरांग के बारे में यह स्पष्ट

हो : बहस का एक सिरा पब्लिक सेक्टर की बदृजतामी

के बरकरास निजी क्षेत्र की कुशलता से भी ज़ड़ता है। यह आम मान्यता रही है कि पब्लिक सेक्टर की इस कंपनी को प्रावेंट हाथों में अच्छे दिन नीस बाहे। मगर पिछले तीन साल का अनुभव बताता है कि सिर्फ पब्लिक से प्राइवेंट में आ जाने भर से किसी कंपनी की बेहतरी सुनिश्चित नहीं हो जाती।

चुनौतियां कम नहीं : यह भी समझना होगा कि एयर इंडिया जैसी कंपनी का कायापलट करना और उसे कुशलता का दूसरा नाम बनाना कोई आसान काम नहीं है। मौजूदा मामला विमानों के रखरखाव और मरम्मत से जुड़ा है। जानकार बताते हैं कि एयर इंडिया के पुराने विमानों की रिपोर्टिंग में देर सप्लाई चेन से जुड़ी बाधाओं के चलते हो रही है। बहरहाल, इन चुनौतियों को यात्रियों की तकलीफों के बचाव के तौर पर इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। देखना होगा कि एयरलाइन ऐसी घटनाएं दोबारा न होने देने के अपने बाद पर कितना खरा उतरता है।

अभिमत आजाद सिपाही

भारत में 24 कैरेट सोने के 10 ग्राम की नवीनतम औसत कीमत शुक्रवार को 186,520 थी। ट्रैप टैरिफ द्वारा संचालित वैश्विक व्यापार युद्ध की चिंताओं से प्रेरित होकर, कुछ बैंक क्रियत तौर पर लंदन में तिजोरियों से सोना निकाल कर न्यूयार्क ले जाने की जल्दी में हैं, ताकि 2 व्यापारिक केंद्रों में सोने की कीमतों के बीच उमर हो बढ़े अंतर को कम किया जा सके। यूरोप पर संभावित अमेरिकी टैरिफ के कारण न्यूयार्क में सोने की कीमतों में उड़ान आया है, जबकि लंदन में पिछले साल के अंत से दरों में गिरावट देखी गयी है। अर्थशास्त्र हमें सिखाता है कि सोना अनिश्चितता के खिलाफ पारंपरिक बचाव है, खास कर मुद्रास्फीति के दौर के बैंकान, लेकिन जबकि मुद्रास्फीति ने पिछले 2 वर्षों में दुनिया को तबाह कर दिया था, अब यह गिरावट पर है। हालांकि यह पूरी तरह से यात्रा की जानी वाली वार्षिक आया है।

अनिल पद्मनाभन

पिछले कुछ महीनों में सोने की कीमतों में अधूतपूर्व तेजी देखी गयी है। खास तौर पर नवबर से। सोने की कीमतें 3,000 डालर प्रति द्राघौं औसत के मनोवैज्ञानिक अवरोध को पार करने की दहलीज पर हैं।

उन्हें अच्छा-खास नुकसान ज्ञाना पड़ता है।

अमल करने की गड़बड़ी : सर्विस एविएटर की नियामक संस्था DGCA ने तत्पत्ता दिखाए हुए तकलीफ पर

इंडिया को नोटिस भेज दिया। लेकिन ध्यान रहे, डीजीसीए की ओर से 2022 में जारी डायरेक्टर में यह यह स्पष्ट तौर पर कहा जा चुका है कि एयरलाइन कोई ऐसी सीट नहीं बेचेगा, जो सर्विस के लायक न हो। खबरों के मुताबिक कुंगर्स ने नैतोनेट को खारी लीटों के बारे में जानकारी नहीं दी थी। इसके बाबूजूद उन सीटों के

लिए टिकट बुक की गयी। इसके बाबूजूद उन सीटों के

लिए टिकट बुक की गयी। इसके बाबूजूद उन सीटों के

लिए टिकट बुक की गयी। इसके बाबूजूद उन सीटों के

लिए टिकट बुक की गयी। इसके बाबूजूद उन सीटों के

लिए टिकट बुक की गयी। इसके बाबूजूद उन सीटों के

लिए टिकट बुक की गयी। इसके बाबूजूद उन सीटों के

लिए टिकट बुक की गयी। इसके बाबूजूद उन सीटों के

लिए टिकट बुक की गयी। इसके बाबूजूद उन सीटों के

लिए टिकट बुक की गयी। इसके बाबूजूद उन सीटों के

लिए टिकट बुक की गयी। इसके बाबूजूद उन सीटों के

लिए टिकट बुक की गयी। इसके बाबूजूद उन सीटों के

लिए टिकट बुक की गयी। इसके बाबूजूद उन सीटों के

लिए टिकट बुक की गयी। इसके बाबूजूद उन सीटों के

लिए टिकट बुक की गयी। इसके बाबूजूद उन सीटों के

लिए टिकट बुक की गयी। इसके बाबूजूद उन सीटों के

लिए टिकट बुक की गयी। इसके बाबूजूद उन सीटों के

लिए टिकट बुक की गयी। इसके बाबूजूद उन सीटों के

लिए टिकट बुक की गयी। इसके बाबूजूद उन सीटों के

लिए टिकट बुक की गयी। इसके बाबूजूद उन सीटों के

लिए टिकट बुक की गयी। इसके बाबूजूद उन सीटों के

लिए टिकट बुक की गयी। इसके बाबूजूद उन सीटों के

लिए टिकट बुक की गयी। इसके बाबूजूद उन सीटों के

लिए टिकट बुक की गयी। इसके बाबूजूद उन सीटों के

लिए टिकट बुक की गयी। इसके बाबूजूद उन सीटों के

लिए टिकट बुक की गयी। इसके बाबूजूद उन सीटों के

लिए टिकट बुक की गयी। इसके बाबूजूद उन सीटों के

लिए टिकट बुक की गयी। इसके बाबूजूद उन सीटों के

लिए टिकट बुक की गयी। इसके बाबूजूद उन सीटों के

लिए टिकट बुक की गयी। इसके बाबूजूद उन सीटों के

लिए टिकट बुक की गयी। इसके बाबूजूद उन सीटों के

लिए टिकट बुक की गयी। इसके बाबूजूद उन सीटों के

लिए टिकट बुक की गयी। इसके बाबूजूद उन सीटों के

लिए टिकट बुक की गयी। इसके बाबूजूद उन सीटों के

लिए टिकट बुक की गयी। इसके बाबूजूद उन सीटों के

लिए टिकट बुक की गयी। इसके बाबूजूद उन सीटों के

लिए टिकट बुक की गयी। इसके बाबूजूद उन सीटों के

लिए टिकट बुक की गयी। इसके बाबूजूद उन सीटों के

लिए टिकट बुक की गयी। इसके बाबूजूद उन सीटों के

लिए टिकट बुक की गयी। इसके बाबूजूद उन सीटों के

लिए टिकट बुक की गयी। इसके बाबूजूद उन सीटों के

लिए टिकट बुक की गयी। इसके बाबूजूद उन सीटों के

लिए टिकट बुक की गयी। इसके बाबूजूद उन सीटों के

लिए टिकट बुक की गयी। इसके बाबूजूद उन सीटों के

लिए टिकट बुक की गयी। इसके बाबूजूद उन सीटों के

लिए टिकट बुक की गयी। इसके बाबूजूद उन सीटों के

लिए टिकट बुक की गयी। इसके बाबूजूद उन सीटों के

लिए टिकट बुक की गयी। इसके बाबूजूद उन सीटों के

लिए टिकट बुक की गयी। इसके बाबूजूद उन सीटों के

लिए टिकट बुक की गयी। इसके बाबूजूद उन सीटों के

लिए टिकट बुक की गयी। इसके बाबूजूद उन सीटों के

लिए टिकट बुक की गयी। इसके बाबूजूद उन सीटों के

लिए टिकट बुक की गयी। इसके बाबूजूद उन सीटों के

लिए टिकट बुक की गयी। इसके बाबूजूद उन सीटों के

